वैयक्तिक विभिन्नताओं की विशेषताएँ
(Characteristics of Individual Differences)

मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तियों की विभिन्नताओं का बहुत गहनता से अध्ययन करने के बाद इसकी निम्नलिखित विशेषताएँ बतायी हैं—

(1) संसार के कोई भी दो व्यक्ति समान नहीं होते।

(2) कोई भी शीलगुण दो व्यक्तियों में समान नहीं होते।

(3) सभी व्यक्तियों के शारीरिक बल एवं परिपक्वता की दर में अंतर पाया जाता है।

(4) सभी शीलगुण किसी-न-किसी ढंग से आपस में सम्बन्धित होते हैं।

(5) एक ही आयु के बालकों में अधिगम की क्षमता अलग-अलग होती है।

(6) वैयक्तिक विभिन्नता एक बहुआयामी सम्प्रत्यय है। इस पर वंशानुक्रम तथा वातावरण दोनों का प्रभाव पड़ता है।

(7) वैयक्तिक विभिन्नता को उन गुणों के आधार पर ही स्पष्ट किया जा सकता है, जिनका मापन सम्भव होता हे।

(8) एक ही व्यक्ति के विभिन्न गुणों का एक-दूसरे पर प्रभाव पड़ता है।

(9) एक ही व्यक्ति के विभिन्न गुणों की मात्रा में अंतर होता है। कोई व्यक्ति किसी एक गुण की दृष्टि से औसत प्राप्तांक के निकट हो सकता है, दूसरे गुण में औसत प्राप्तांक से कम हो सकता है और किसी अन्य गुण में औसत प्राप्तांक से अधिक हो सकता है।

(10) किसी समूह में व्यक्तियों के किसी गुण का झुकाव उसके मध्यमान की ओर होता है।

(11) वैयक्तिक विभिन्नता व्यक्ति के विभिन्न प्रकार के विकास का आधार होती है।

(12) वैयक्तिक विभिन्नता के आधार पर व्यक्ति का उत्तम विकास किया जा सकता है।